द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय-संगोष्ठी
एवं सम्मान समारोह

धर्म एवं ज्योतिष

(सामाजिक लोकव्यवहार के सन्दर्भ में)

23–24 दिसम्बर 2019

आयोजक :

धर्म-ज्योतिष-विभाग

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

NAAC राष्ट्रीय मूल्याकंन एवं प्रत्यायन परिषद) द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

महात्मा गाँधी मार्ग, जयपुर – 302015 (राज.) दूरभाष : 0141–2706608
ई–मेल : maharaj.college@gmail.com

अध्यक्ष

प्रो. भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय'

प्राचार्य एवं ज्योतिष विभागाध्यक्ष

संयोजक

डॉ. शालिनी सक्सेना

प्रोफेसर : भाषा विज्ञान

94140–51119

समन्वयक

डॉ. आलोक शर्मा

व्याख्याता : ज्योतिष

98290–15554

सह–संयोजक

डॉ. हंसराज शर्मा

व्याख्याता : ज्योतिष

76110–47408

सह–समन्वयक

डॉ. चेतना पाठक

व्याख्याता : धर्मशास्त्र

94133–31559

आयोजन सचिव

डॉ. रवि शर्मा

व्याख्याता : ज्योतिष

94144–09284, 97827–55888

स्वागत एवं प्रबंध समिति

डॉ. जितेन्द्र कुमार अग्रवाल, डॉ. गोपाल मिश्र, डॉ. इन्दिरा खत्री, डॉ. शीला चौबीसा, डॉ. शम्भूनाथ मिश्र, श्रीमती रेखा वर्मा, श्री नमामीशंकर बिस्सा, डॉ. कमलकिशोर सैनी, डॉ. द्विजेन्द्र नाथ मिश्र, डॉ. लक्ष्मी नारायण शर्मा, डॉ. सीमा जैन, डॉ. शम्भूनाथ झा, डॉ अशोक पलसानिया, श्री शैलेश जैमन, सुश्री पूनम आर्य, श्री राकेश कुमार शर्मा, श्री रामावतार गुप्ता, श्री विनोद कुमार नायक, श्री अभिषेक भारद्वाज, श्री सुभाषशर्मा, श्री कृष्णगोपाल गुजराती, श्रीमती सन्तोष मीणा।

आयोजन स्थल :

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

महात्मा गाँधी मार्ग, जयपुर – 302015 (राज.) दूरभाष : 0141–2706608

धर्म एवं ज्योतिष

'देवो याति भुवनानि पश्यन्'

ज्योतिष और धर्मशास्त्र दोनों वेदांग हैं। ज्योतिषशास्त्र को वेदपुरुष का नेत्र एवं कल्प (धर्मशास्त्र) को वेदपुरुष का हाथ कहा गया है। अंग एवं अंगी का परस्पर अविनाभाव सम्बन्ध माना गया है। दोनों एक दूसरे के पूरक कहे गए हैं। इस दृष्टि से वेदपुरुष के अंग भूत सभी वेदांग परस्पर एकदूसरे के उपकारक या पूरक हैं और ये सब मिलकर ही वेदपुरुष की सम्पूर्णता में सहायक हैं। वेदार्थ ज्ञान के लिए इन सबका समन्वित ज्ञान आवश्यक है। छः वेदांगों में ज्योतिष और धर्मशास्त्र लोकजीवन से घनिष्ठ रूप से जुडे हैं। भारतीय परम्परा में जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त किए जाने वाले समस्त संस्कार, दैनिक एवं धार्मिक कृत्यों के सम्पादन में धर्मशास्त्र एवं ज्योतिष द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देश सहायक होते हैं। चाहे षोडश संस्कारों की बात हो, चाहे व्रत, पर्व अथवा त्यौहार का सम्पादन हो या यज्ञादि का अनुष्ठान, बिना ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र ज्ञान के सम्भव नहीं है। यही कारण है कि मानवमात्र के लिए न केवल वेद अपितु वेदांगों के स्वाध्याय का विधान किया गया है। इसी कारण पंचांग श्रवण की परम्परा को धार्मिक आधार प्राप्त है। ज्योतिषशास्त्र मनुष्य के जीवन पर पडने वाले ग्रह, नक्षत्र एवं राशियों के प्रभाव का विश्लेषण करता है और जातक की जन्मकुण्डली उसके शरीर के विभिन्न अंगों के साथ साथ जीवन के विविध पहलुओं का विश्लेषण करती है और उन पर पडने वाले ग्रहों के शुभाशुभ फलों का विवेचन करती है। वहीं वेदोऽखिलो धर्ममूलम् का उद्घोषक धर्मशास्त्र सामाजिक जीवन एवं धार्मिक जीवन के कृत्यों के सम्पादनार्थ व्यवस्था प्रदान करता है।

धर्मशास्त्र सभी संस्कारों एवं धार्मिक व्रत पर्वों के विधि–विधान एवं प्रक्रियाओं का निरूपण करता है। ज्योतिषशास्त्र कालविधायक शास्त्र है। ग्रहों एवं नक्षत्रों के साधन द्वारा पंचांग निर्माण कर ज्योतिषशास्त्र तिथि नक्षत्रादि का काल निर्धारित करता है। जहाँ ज्योतिषशास्त्र का कार्य पूर्ण होता है, वहीं से धर्मशास्त्र का कार्य प्रारम्भ होता है। ज्योतिषशास्त्र द्वारा निश्चित कालविशेष में कौनसा धार्मिक कृत्य प्रतिपादित किया जाना है? कौनसे व्रत का सम्पादन किस तिथि अथवा नक्षत्र में होगा? किस कर्म का काल क्या है? इन सभी बिन्दुओं पर चिन्तन एवं व्यवस्था प्रदान करने का कार्य धर्मशास्त्र के अन्तर्गत आता है।

राजस्थान प्रान्त अपनी समृद्ध धर्मशास्त्रीय एवं ज्योतिष परम्परा के लिए विश्वविख्यात है। जयपुर संस्थापक सवाई जयसिंह स्वयं प्रख्यात ज्योतिर्विद् थे। कच्छवाह शासकों ने देश विदेश से ज्योतिर्विदों एवं धर्मशास्त्रियों को आहूत कर यहाँ बसाया। इस संगोष्ठी के माध्यम से ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र के अन्तःसम्बन्ध एवं लोकजीवन में उनकी उपादेयता का प्रतिपादन करना प्रमुख उद्देश्य है। जीवन का ऐसा कोई कृत्य नहीं है जो धर्मशास्त्र एवं ज्योतिष के सहयोग के बिना सम्पन्न किया जा सके। धर्मशास्त्र द्वारा वर्णाश्रम धर्म एवं गौणधर्मों की सम्पादन विधि एवं काल का प्रतिपादन किया जाता है। कर्म विशेष के काल का निर्णय होने के उपरान्त ज्योतिष के माध्यम से उस उचित काल का ज्ञान कर ज्योतिष द्वारा प्रतिपादित मुहूर्त में किए गए कार्य शुभ फल प्रदान करते हैं। अतः ज्योतिर्विद् को धर्मशास्त्र का एवं धर्मशास्त्री को ज्योतिषशास्त्र का ज्ञान परम आवश्यक माना गया है। संगोष्ठी के चिन्तनीय बिन्दु निम्नानुसार हैं :–

1. पंचांग निर्माण एवं उपादेयता
2. तिथि निर्णय एवं तिथि भेद
3. मुहूर्त एवं उसकी उपादेयता
4. संस्कार एवं उनका काल
5. व्रत पर्व निर्णय एवं ज्योतिष
6. व्रत पर्व निर्णय एवं धर्मशास्त्र
7. मानव जीवन एवं ब्रह्माण्ड
8. यज्ञसम्पादन ज्योतिष
9. लोक व्यवहार एवं धर्मशास्त्र
10. लोकव्यवहार एवं ज्योतिष
11. ग्रहणकाल निर्णय एवं विधि में ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र की भूमिका।
12. मानव जीवन पर ज्योतिष का प्रभाव
13. मानवजीवन एवं धर्मशास्त्र
14. मलमास निर्णय
15. आशौच निर्णय
16. श्राद्ध निर्णय
17. संक्रान्ति निर्णय
18. मूर्ति प्रतिष्ठा एवं देवालय निर्माण
19. ज्योतिष की विभिन्न विधाएँ एवं सम्बद्ध उपविषय

व्याख्यान विषय : उच्च शिक्षा में गुणात्मक अभिवृद्धि (NAAC मानक में)

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय जयपुर न केवल राजस्थान अपितु भारतवर्ष के प्राचीनतम महाविद्यालयों में अन्यतम है। कछवाहा वंशीय महाराज रामसिंह द्वितीय द्वारा 1852 में स्थापित यह महाविद्यालय अपराकाशी जयपुर में संस्कृत शिक्षा के प्रचार प्रसार में निरन्तर निरत है। स्वातन्त्र्योत्तर संस्कृत शिक्षा विभाग के अधीन यह महाविद्यालय राजस्थान में संस्कृत शिक्षा का महत्त्वपूर्ण केन्द्र है। इस महाविद्यालय में चारों वेदों के साथ साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, सामान्यदर्शन, न्यायदर्शन आदि पुरातन विषयों के साथ अर्वाचीन विषयों अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीतिविज्ञान, इतिहास एवं कम्प्यूटर शिक्षा आदि का अध्ययन अध्यापन एवं अनुसन्धान भी होता है।

NAAC द्वारा बी ग्रेड प्राप्त यह राजस्थान की प्रथम संस्कृत संस्था है। यू.जी.सी. के निर्देशानुसार अप्रेल 2014 में IQAC Cell का महाविद्यालय में गठन किया गया। गठन के साथ ही IQAC महाविद्यालय के बहुँमुखी विकास एवं गुणात्मक अभिवृद्धि हेतु तत्पर है। IQAC के सतत् प्रयास एवं मार्गदर्शन का परिणाम है कि महाविद्यालय को NAAC द्वारा B ग्रेड प्राप्त करने का गौरव हासिल हुआ और यह महाविद्यालय NAAC से ग्रेड प्राप्त करने वाला राजस्थान का सर्वप्रथम संस्कृत महाविद्यालय बना। बी ग्रेड प्राप्त करने के अनन्तर ही महाविद्यालय को विकास कार्यों हेतु रूसा द्वारा दो करोड़ का अनुदान प्राप्त हुआ। वर्तमान में भी यह प्रकोष्ठ महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता अभिवृद्धि हेतु कृतसंकल्प है और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपने उद्देश्य की पूर्ति में सतत सन्नद्ध है।

शैक्षिक गुणात्मक गौरवाभिवृद्धि की दिशा में IQAC प्रकोष्ठ द्वारा माननीय प्रो. राजा राम शुक्ल, कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है जो कि महाविद्यालय के शैक्षिक एवं प्रशासनिक गुणात्मक अभिवृद्धि को नई दिशा व गति प्रदान करने में सहायक होगा। प्रो० शुक्ल निरन्तर NAAC से जुड़े हैं एवं देशभर के शैक्षिक संस्थानों के निरीक्षण का अनुभव रखते हैं आपके अनुभव हमें महाविद्यालय के शैक्षिक वातावरण को उत्कृष्ट बनाने में सहायक रहेंगे। साथ ही NAAC हेतु चल रहे द्वितीय चरण के प्रयासों को नई दिशा एवं गति प्राप्त हो सकेगी।

प्रो. शुक्ल उच्चतम शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े रहे हैं। आपकी अनुसन्धानात्मक एवं प्रयोगात्मक विचारधारा के कारण आप यू. जी.सी. व NAAC की महत्त्वपूर्ण समितियों के सदस्य हैं और राष्ट्रीय स्तर के सम्मानों से सम्मानित विद्वान् हैं। वर्तमान में भारतवर्ष के संस्कृत संस्थानों में प्रमुख सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर सुशोभित हैं। अपराकाशी जयपुर में स्थित संस्कृत की सेवा एवं प्रचार प्रसार में संलग्न यह प्राचीनतम संस्कृत शिक्षण संस्था आपका अभिनन्दन एवं सम्मान कर स्वयं को गौरवान्वित अनुभव करती है।

13:49

अभिनन्दनीय प्रवक्ता :

प्रो. राजाराम शुक्ल

कुलपति : सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

मुख्यातिथि :

श्री प्रदीप कुमार बोरड़ (IAS),

विशिष्ट शासन सचिव, संस्कृत शिक्षा, राजस्थान

विशिष्टातिथि :

श्री हरजी लाल अटल (RAS)

संयुक्त शासन सचिव एवं निदेशक

संस्कृत शिक्षा राजस्थान

व्याख्यान-विषय : **उच्च शिक्षा मे गुणात्मक अभिवृद्धि**

(NAAC मानक मे)

आयोजक

प्रो. शालिनी सक्सेना समन्वयक - IQAC	प्रो. भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय' प्राचार्य

IQAC समिति

प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा : पूर्व-निदेशक - संस्कृत शिक्षा राजस्थान	श्रीमती रेखा शर्मा व्याख्याता/सदस्य
डॉ. मन्दन शर्मा : पूर्व निदेशक संस्कृत शिक्षा राजस्थान	श्री भवानी शंकर मिश्रा व्याख्याता/सदस्य
प्रो० लालचन्द शर्मा : सेवानिवृत्त संस्कृत शिक्षा राजस्थान	डॉ. सीमा जैन व्याख्याता/सदस्य

विशिष्ट व्याख्यान एवं सम्मान

शनिवार, दिनांक 9 नवम्बर 2019

मध्याह्न 12.30

उच्च शिक्षा में गुणात्मक अभिवृद्धि

(NAAC मानक में)

आयोजक :

Internal Quality Assurance Cell

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

गाड़ी भवन सर्किल के पास, महात्मा गांधी मार्ग, जयपुर - 302015

E-mail : maharaj.college@gmail.com

13:49

व्याख्यान विषय :

हिन्दी भाषा : दशा और दिशा

कवि–सम्मेलन

निवेदक

डॉ. भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय'
प्राचार्य

डॉ. इन्दिरा खत्री
संयोजक
विभागाध्यक्ष-हिन्दी-विभाग
राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत
महाविद्यालय, जयपुर

डॉ. शालिनी सक्सेना
समन्वयक
प्रोफेसर – भाषा विज्ञान
राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत
महाविद्यालय, जयपुर

आतिथ्य

:: मुख्यातिथि ::

डॉ. नरेन्द्र शर्मा 'कुसुम'

प्रसिद्ध साहित्यकार

:: अध्यक्ष ::

डॉ. सुषमा सिंघवी

पूर्व अध्यक्ष : राजस्थान संस्कृत अकादमी

:: मुख्यवक्ता ::

डॉ. सुदेश बत्रा : सेवानिवृत्त प्रोफेसर

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

हिन्दी दिवसान्तर्गत

विशिष्ट व्याख्यान एवं कवि सम्मेलन

19 सितंबर 2019

आयोजक :

हिन्दी विभाग

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

NAAC (राष्ट्रीय मूल्याकंन प्रत्यायन परिषद) द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

महात्मा गाँधी मार्ग, जयपुर – 302015 (राज.) दूरभाष : 0141-2706608

हिन्दी भाषा : दशा और दिशा

भाषा भावाभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। यद्यपि संकेत आदि के माध्यम से भी भावों की अभिव्यक्ति की जाती है परन्तु अपने भावों को सूक्ष्म और स्पष्ट रूप से व्यक्त करने का साधन भाषा ही है। विचारों एवं भावों के आदान प्रदान का माध्यम भाषा है। भाषाओं के विकास का इतिहास भी भाषा की उत्पत्ति के समान अवर्णनीय है। भारतीय भाषाओं के विकास की यात्रा भारोपीय भाषा परिवार की भाषाओं से प्रारम्भ होती है। वैदिक संस्कृत काल तक आते आते भारतीय भाषाओं का समृद्ध शब्द भण्डार एवं व्याकरणशास्त्र निर्मित हो चुका था। तदनन्तर लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि के रूप में अपनी विकासयात्रा सम्पन्न करती हुई भारतीय भाषाएं विविध बोलियों एवं देशज भाषाओं के रूप में विकसित होती गई। यह विकास सदैव कठिनता से सरलता की ओर दिखाई देता है। इसलिए संश्लिष्ट योगात्मक भाषाओं का विकास आधुनिक युग तक आते आते वियोगात्मक भाषा के रूप में हमारे सामने है। संस्कृत को हिन्दी की जननी कहा जाता है। हिन्दी न केवल अपनी लिपि अपितु अपने अनन्त शब्द भण्डार के लिए संस्कृत की ऋणी रही है। खासकर साहित्यिक हिन्दी संस्कृतनिष्ठ ही कहलाती है। किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी संस्कृति, साहित्य एवं भाषा होती है। किसी स्वाधीन राष्ट्र के लिए जितना महत्त्व उसके राष्ट्रीय ध्वज अथवा राष्ट्रगान का होता है उतना ही राष्ट्रभाषा अथवा राजभाषा का। स्वतन्त्रता के पश्चात् देश की राजभाषा के रूप में हिन्दी को स्वीकार किया गया और 14 सितम्बर 1949 को इसकी विधिवत् घोषणा की गई। और संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा के सन्दर्भ में व्यवस्था की गई। उसी समय से 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाये जाने की परम्परा विकसित हुई। प्रतिवर्ष इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा अथवा हिन्दी सप्ताह के अन्तर्गत राजकीय स्तर पर विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

यह महाविद्यालय सदैव ही सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकारों से जुड़ाव रखता है और विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्र के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करता है। सन् 1852 में स्थापित भारतवर्ष के प्राचीनतम चार महाविद्यालयों में से अन्यतम यह महाविद्यालय प्राच्य विद्याओं के संरक्षण के साथ भारतीय संस्कृति के विकास एवं उन्नयन में सदैव तत्पर है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा बी ग्रेड प्राप्त करने वाला यह राजस्थान का प्रथम संस्कृत महाविद्यालय है। इसमें संस्कृत के परम्परागत विषयों यथा वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, सामान्य दर्शन, न्यायदर्शन आदि के अतिरिक्त आधुनिक विषयों में हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान एवं इतिहास विषयों के साथ कम्प्यूटर आदि की शिक्षा भी प्रदान की जाती है।

हिन्दी दिवस के अवसर पर महाविद्यालय द्वारा छात्रों में राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने एवं राष्ट्रभाषा के प्रति प्रेम उत्पन्न करने की दृष्टि से विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जा रहा है। इसके साथ ही वर्तमान समय में हिन्दी भाषा की दशा एवं दिशा को रेखांकित करने के लिए हिन्दी की प्रख्यात लेखिका एवं विदुषी डॉ. सुदेश बत्रा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर का व्याख्यान आयोजित किया जा रहा है। डॉ. बत्रा हिन्दी साहित्य जगत् में जाना पहचाना नाम है। आपके अनेक विद्यार्थी आज विभिन्न प्रतिष्ठानों में उच्च पद पर अपनी सेवाएं देते हुए साहित्यिक जगत् में भी अपना योगदान दे रहे हैं। आपका विशाल रचना संसार सभी को प्रेरणा प्रदान करता है। आपने हिन्दी उपन्यास : बदलते परिप्रेक्ष्य, बन्द मुट्ठी का सच, रास्ते ओर भी है, छत और आकाश, नारी अस्मिता: हिन्दी उपन्यासों में इत्यादि अनेकानेक रचनाओं द्वारा हिन्दी साहित्यभण्डार की श्रीवृद्धि की है। आपका ओजस्वी व्याख्यान छात्रों एवं शैक्षिक जगत् के लिए प्रेरणादायी रहेगा।

साहित्य का हृदयाह्लादक पक्ष उसका काव्यात्मक रूप होता है। काव्य की कोमलकान्त पदावली गद्य की अपेक्षा सहज ही सहृदय रसिकों का आकृष्ट करती है। हिन्दी भाषा के अनेकानेक सिद्ध हस्त कवि एवं कवयित्री हुए हैं जिन्होंने हिन्दी साहित्य को समृद्ध करने में अपना योगदान दिया है। इस अवसर पर हिन्दी कवियों का एक काव्य सम्मेलन भी आयोजित किया जा रहा है जिसमें हिन्दी की काव्यविधा से भी छात्रों को परिचित करवाया जा सकेगा। इस कवि सम्मेलन में चिरपरिचित हिन्दी कवियों/कवयित्रियों को आमन्त्रित किया जा रहा है।

सम्मानित कवि

01. पं. श्री रामस्वरूप दोतोलिया, बिलौंची, सम्मानित विद्वान
02. पं. श्री सांवरमल शर्मा 'शास्त्री', कालाडेरा, सम्मानित विद्वान
03. डॉ. ताराशंकर शर्मा पाण्डेय, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, ज.रा.रा.सं.विश्वविद्यालय, जयपुर
04. डॉ. सत्यनारायण शर्मा, प्रोफेसर, राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, मनोहरपुर
05. डॉ. रेखागुप्ता, विभागाध्यक्ष- हिन्दी, कनोडिया महाविद्यालय, जयपुर
06. डॉ. रेनू शर्मा शब्द 'मुखर', विभागाध्यक्ष- हिन्दी, ज्ञानविहार स्कूल, जयपुर
07. डॉ. शारदा जॉगिड़, से. नि. व्याख्याता, राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सीकर
08. डॉ. आशा शर्मा प्राध्यापिका, राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय, जयपुर
09. डॉ. जयश्री शर्मा, सेवानिवृत्त व्याख्याता राजकीय महाविद्यालय
10. डॉ. रत्ना शर्मा, सम्मानित कवयित्री
11. डॉ. मनीषा शर्मा, व्याख्याता, राजकीय महाविद्यालय, कालाडेरा
12. डॉ. जितेन्द्र लोढ़ा, व्याख्याता, राजकीय महाविद्यालय, कालाडेरा
13. श्रीमती पुष्पा परिहार, से.नि. व्याख्याता, राज. शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, श्रीमाधोपुर
14. श्रीमती वन्दना सिंह, प्राचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लिताड़ा,नागौर
15. डॉ. संगीता सक्सेना, सहा. निदेशक दूरसंचार विभाग, जयपुर
16. डॉ. वीना करम चन्दानी, सहा. निदेशक सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, जयपुर
17. प्रो. सीताराम शर्मा, प्राचार्य : राज. धूलेश्वर आ. संस्कृत महाविद्यालय, मनोहरपुर, जयपुर

स्वागत एवं प्रबंध समिति

डॉ. जितेन्द्र कुमार अग्रवाल, डॉ. गोपाल मिश्र, डॉ. शीला चौबीसा, डॉ. जानकी वल्लभ शर्मा, डॉ. चेतना पाठक, डॉ. रेखा वर्मा, श्री नमामी शंकर बिस्सा, डॉ. कमल किशोर सैनी, डॉ. लक्ष्मीनारायण शर्मा, डॉ. आलोक शर्मा, डॉ. सीमा जैन, डॉ हंसराज शर्मा, श्री शम्भूनाथ झा, डॉ. अशोक पलसानिया, सुश्री पूनम आर्य, श्री राकेश कुमार शर्मा, श्री राजेन्द्र कुमार तिवाड़ी, श्री विनोद कुमार नायक, श्री अभिषेक शर्मा, श्रीमती मुन्नी देवी, श्रीमती संतोष मीणा, श्री सुभाष शर्मा

महाविद्यालय परिचय

राजपूताना राज्य के राजवंश एवं श्रेष्ठिवर्ग सदैव साहित्यानुरागी रहे हैं और इसी परम्परा में उन्होंने न केवल राज्य के अपितु भारतवर्ष के विविध प्रान्तों से विद्वानों को आमन्त्रित कर संरक्षण प्रदान किया। वेद, धर्म एवं संस्कृति के सेवक कछवाहा वंशज महाराजाधिराज रामसिंह द्वितीय ने विद्वानों को संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से सन् 1852 में महाराज संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की। स्वतन्त्रता के पश्चात् राज्य सरकार के संस्कृत निदेशालय द्वारा संचालित, एवं जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध इस महाविद्यालय का इतिहास एक सौ सत्तर से अधिक वर्ष पुराना है। यह महाविद्यालय विश्व प्रसिद्ध पं. मधुसूदन ओझा, पं. मोती लाल शास्त्री, महामहोपाध्याय पं. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, जगद्गुरु शंकराचार्य पं. चन्द्रशेखर द्विवेदी, कालजयी कहानी 'उसने कहा था' के प्रसिद्ध लेखक पं. चन्द्रधरशर्मा 'गुलेरी' आदि भारत प्रसिद्ध विद्वानों की कर्मस्थली रहा है। यह महाविद्यालय आज भी अपनी प्राचीन संस्कृति एवं परम्परा को समेटे अविच्छिन्नभाव से रखता है। नवीन भवन में स्थानान्तरित, अद्यतन सुविधाओं से सम्पन्न, वर्तमान युग के साथ निरन्तर प्रगतिपथ पर अग्रसर है। इस महाविद्यालय में संस्कृत संकाय के समस्त विषयों का अध्यापन/अनुसंधान करवाया जाता है। इसी के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान एवं इतिहास जैसे आधुनिक विषयों के अध्ययन की व्यवस्था भी उपलब्ध है। यहाँ के आचार्यों एवं छात्रों ने सम्पूर्ण भारतवर्ष में अपनी प्रतिभा का समय समय पर उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए

अध्यक्ष

प्रो. भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय'

प्राचार्य एवं ज्योतिष विभागाध्यक्ष

98290–61407

संयोजक डॉ. शालिनी सक्सेना प्रोफेसर : भाषा विज्ञान 94140–51119	समन्वयक डॉ. शीला चौबीसा व्याख्याता : व्याकरण 94145–22126
सह–संयोजक डॉ. जितेन्द्र कुमार अग्रवाल व्याख्याता : साहित्य 98281–02448	सह–समन्वयक डॉ. सीमा जैन व्याख्याता : सं. वाङ्मय 97998–86990
परामर्श दाता डॉ. जानकी वल्लभ शर्मा से. नि. व्याख्याता 94140–47650	आयोजन सचिव डॉ. आलोक शर्मा व्याख्याता : ज्योतिष 98290–15554

स्वागत एवं प्रबंध समिति

डॉ. गोपाल मिश्र, डॉ. इन्दिरा खत्री, डॉ. चेतना पाठक, डॉ. शम्भूनाथ मिश्र, डॉ. रेखा वर्मा, श्री नमामीशंकर बिस्सा, डॉ. कृष्णकिशोर सैनी, डॉ. द्विजेन्द्र नाथ मिश्र, डॉ. लक्ष्मीनारायण शर्मा, डॉ. शम्भूनाथ झा, डॉ. रवि शर्मा, डॉ. शैलेश जैमन, श्री शैलेन्द्र जैन, डॉ. अशोक पारसानिया, श्रीमती पूनम आर्य, श्री राकेश कुमार शर्मा, श्री रामावतार गुप्ता, श्री विनोद कुमार नायक, श्री अभिषेक भारद्वाज, श्री सुभाष शर्मा, श्री कृष्णगोपाल गुजराती, श्रीमती सन्तोष मीणा

आयोजन स्थल :

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

महात्मा गाँधी मार्ग, जयपुर – 302015 (राज.) दूरभाष : 0141-2706608

राजस्थान संस्कृत अकादमी एवं
राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कवि-सम्मेलन

(सामाजिक समरसता एवं संस्कृत साहित्य)

25–26 मार्च 2021

आयोजक :

साहित्य, भाषा विज्ञान विभाग

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

NAAC (राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद) द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

महात्मा गाँधी मार्ग, जयपुर – 302015 (राज.) दूरभाष : 0141-2706608

ई-मेल : maharaj.college@gmail.com

विषय-परिचय

भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण विशेषताओं में सहिष्णुता एवं समन्वय की भावना महत्वपूर्ण है। अनेकता में एकता भारतीय संस्कृति की पहचान है। भारतीय संस्कृति की इन्हीं विशेषताओं का परिणाम है कि हजारों वर्षों बाद भी हमारी सांस्कृतिक विरासत अक्षुण्ण बनी हुई है। कितनी ही विदेशी शक्तियों के आक्रमण हुए लेकिन समन्वयवादी दृष्टि ने सभी सभ्यताओं और संस्कृतियों को स्वयं में समाहित कर लिया।

साहित्य समाज का दर्पण कहा गया है। भारतीय संस्कृति का मूलाधार संस्कृत साहित्य है जो भारतीय संस्कृति का संवाहक है और हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित रखने में इसकी महती भूमिका है। सामाजिक समरसता हर युग की आवश्यकता रही है। किसी भी राष्ट्र के समग्र विकास, सामाजिक उत्थान एवं सांस्कृतिक समृद्धि के लिए सामाजिक समरसता एवं सौहार्द महत्वपूर्ण है।

सामाजिक समरसता से तात्पर्य सामाजिक समस्याओं को समाप्त करना और समाज के सभी वर्गों में प्रेम भाव उत्पन्न करके सामाजिक सौहार्द बढ़ाना है। समाज के लोगों का एक साथ मिल जुलकर एक भाव में रहना ही सामाजिक समरसता है। वैदेशिक आक्रमणों के बावजूद हमारी सांस्कृतिक एकता एवं अखण्डता बनी रही लेकिन वे विभिन्न धर्मों एवं जातियों के बीच भेदभाव, छुआछूत आदि के कारण विभिन्न समस्याओं को बढ़ावा देने में सफल रहे।

इसके प्रभाव स्वरूप लम्बे समय तक सामाजिक वैमनस्य बना रहा और परवर्ती शासकों को सामाजिक समरसता बनाने में बहुत अधिक परिश्रम करना पड़ा। इसका एक कारण संस्कृत साहित्य एवं उसमें निहित आदर्शों से तत्कालीन समाज की दूरी अथवा अनभिज्ञता भी रही।

प्राचीन काल से वैदिक ऋषि एवं परवर्ती संस्कृत विद्वान् सामाजिक समरसता एवं एकता के पक्षधर रहे हैं। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' एवं 'एकं सद् विप्रा: बहुधा वदन्ति' की उदात्त भावना सामाजिक समरसता का ज्वलन्त उदाहरण है। जो साहित्य विश्व हेतु कैसे बन सकता है। इसके साथ ही सामाजिक समरसता का उद्घोष करता ऋग्वेद का संज्ञान सूक्त 'सं गच्छध्वम् सं वदध्वम्' 'समानी व आकूति: समाना हृदयानि व:' कहकर मानव मात्र के मन, वचन एवं कर्म की एकता प्रतिपादन करता है। इसी प्रकार कठोपनिषद् 'सह नाववतु सह नौ भुनक्तु' भी मानवमात्र में समरसता का प्रतिपादन करता है। अथर्ववेद (3.30.3) 'मा भ्राता भ्रातरं। मा स्वसारमुत स्वसा' पारिवारिक समरसता का प्रतिपादन करता है।

परवर्ती संस्कृत साहित्य वैदिक वाङ्मय में निहित इस उदात्त भावना को विस्तार देने में सफल रहा है। नाट्य साहित्य, कथा साहित्य, एवं महाकाव्य सामाजिक कुरीतियों को दूर करने एवं समाज में स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण निर्मित करने में सफल रहे हैं। किसी भी देश एवं समाज पर उसके साहित्य का अमिट प्रभाव पड़ता है। इसी तरह साहित्यकार भी अपने आसपास के वातावरण से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। संस्कृत साहित्य में प्रतिपादित सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक एकता तत्कालीन समाज के सौहार्दपूर्ण वातावरण को रेखांकित करती है। संस्कृत साहित्य में प्रतिपादित सामाजिक समरसता के महत्वपूर्ण आदर्शों को प्रकाशित करने एवं राष्ट्रीय व सामाजिक एकता को रेखांकित करने की दृष्टि से महाविद्यालय के भाषाविज्ञान विभाग एवं साहित्य विभाग द्वारा 'सामाजिक समरसता एवं संस्कृत साहित्य' विषय पर एक द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। राजस्थान की संस्कृत कवि परम्परा विश्रुत है। यह नगर अपने साहित्यिक अवदान एवं विद्वत्परम्परा के कारण ही अपराकाशी के नाम से प्रसिद्ध है। इस अवसर पर एक सत्र में संस्कृत कवि सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा जिसमें देश के विविध भागों से आमन्त्रित प्रख्यात कवि समसामयिक एवं विविध साहित्यिक विषयों पर अपने काव्यपाठ द्वारा प्रकाश डालेंगे। संगोष्ठी में प्रमुखतः विवेच्य बिन्दु निम्नलिखितानुसार हैं

1. वर्तमान में सामाजिक वैषम्य एवं उसके निदान में
3. पारिवारिक समरसता एवं उपजीव्यकाव्य।
4. वैदिक साहित्य एवं सामाजिक सौहार्द।
5. वेदांग साहित्य एवं सामाजिक समरसता।
6. पौराणिक साहित्य का समाज पर प्रभाव।
7. महाभारत का सामाजिक समरसता में योगदान।
8. लौकिक संस्कृत साहित्य की विविध विधाएं एवं सामाजिक समरसता।
9. आधुनिक संस्कृत साहित्य का समाज पर प्रभाव।
10. संस्कृत पत्रिकाओं की सामाजिक सौहार्द में भूमिका।
11. संस्कृत पत्रपत्रिकाओं का समाज में प्रभाव।
12. वर्तमान परिदृश्य में संस्कृत साहित्य की महत्ता।

पत्र-वाचन

कृपया संगोष्ठी में आपके द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले आलेख के विषय के सम्बन्ध में अविलम्ब अवगत कराने का कष्ट करें ताकि संगोष्ठी के विविध सत्रों का तदनुसार संयोजन किया जा सके। कृपया आलेख तथा सारांश (Abstract) की एक प्रति आवश्यक रूप से अंग्रेजी में Times New Roman (12 Size) हिन्दी में Devlys010, कण्वक, की लिपि (14 size) में कम्प्यूटर द्वारा अंकित रूप में एम.एस. वर्ड में ईमेल [illegible] पर 28 फरवरी 2021 तक आवश्यक रूप से प्रेषित कर दें। विलम्ब से प्राप्त शोधालेखों को प्रकाशन हेतु स्वीकार किया जाना सम्भव नहीं होगा।

पंजीकरण-शुल्क

प्राध्यापक/ प्रोफेसर्स/ साहित्यकार	- 700/-रू.
महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय के शोधार्थी	- 500/-रू.

महाविद्यालय प्रकाशन

- [illegible] • [illegible]
- [illegible] • [illegible]
- [illegible] • [illegible]
- [illegible] • [illegible] • [illegible]
- Contemporary Indian Writing A Source of Cultural Strengthening
- Emerging Trends and Technology in Knowledge Management

विषय-परिचय

भारतीय भाषाओं में अंग्रेजी Research शब्द के स्थान पर अनुसन्धान, अनुशीलन, गवेषणा, शोध इत्यादि शब्दों का प्रयोग हुआ है। व्युत्पत्ति की दृष्टि से अनुसन्धान मूल शब्द (Re + Search) के अर्थ को सर्वाधिक स्पष्ट करता है। अनुसन्धान के चार मूल तत्त्व हैं :-

1. नवीन तथ्यों का अन्वेषण
2. उपलब्ध तथ्यों का एवं प्रचलित सिद्धान्तों का नवीन व्याख्यान।
3. विषय के अध्ययन में योगदान।
4. प्रतिपादन सौष्ठव

व्यापक अर्थ में शोध या अनुसन्धान ज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना या विधिवत् गवेषणा करना होता है। वैज्ञानिक अनुसन्धान में वैज्ञानिक विधि का सहारा लेते हुए जिज्ञासा का समाधान करने की कोशिश की जाती है नवीन तथ्यों की खोज और प्राचीन तथ्यों एवं सिद्धान्तों का पुनः परीक्षण करना जिससे की नवीन तथ्यों का उद्घाटन हो सके, उसे शोध कहते हैं। शोध के अन्तर्गत बोधपूर्वक प्रयत्न से तथ्यों का संकलन कर सूक्ष्मग्राही एवं विवेचक बुद्धि से उसका अवलोकन विश्लेषण करके नए तथ्यों या सिद्धान्तों का उद्घाटन किया जाता है।

शोध मानव ज्ञान को दिशा प्रदान करता है तथा ज्ञान भण्डार को विकसित एवं परिमार्जित करता है।

शोध जिज्ञासा की मूल प्रवृत्ति (Curiosity Instinct) की सन्तुष्टि करता हैं शोध से व्यावहारिक समस्याओं का समाधान होता है। शोध पूर्वाग्रहों के निदान और निवारण में सहायक है। शोध अनेक नवीन कार्यविधियों व उत्पादों को विकसित करता है। शोध ज्ञान के विविध पक्षों में गहनता और सूक्ष्मता लाता है। शोध से व्यक्ति का बौद्धिक विकास होता है।अनुसन्धान हमारी आर्थिक प्रणाली में लगभग सभी सरकारी नीतियों के लिए आधार प्रदान करता है। अनुसन्धान के माध्यम से हम वैकल्पिक नीतियों पर विचार और इन विकल्पो में से प्रत्येक के परिणामों की जाँच कर सकते हैं। अनुसन्धान, सामाजिक वैज्ञानिकों के लिए भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। शोध सामाजिक विकास का सहायक है। यह एक तरह का औपचारिक प्रशिक्षण है। अनुसन्धान नए सिद्धान्त का सामान्यीकरण करने के लिए हो सकता है। अनुसन्धान नई शैली और रचनात्मकता के विकास के लिए हो सकता है। विज्ञान विषयक शोध कार्यों में शोध प्रविधि पर विशेष बल दिया जाता है। संस्कृत क्षेत्र में भी वैज्ञानिक अनुसंधान क्रियाविधि में यथावश्यक संशोधन कर प्रयोग किया जाना अपेक्षित है।

शोध प्रविधि के प्रमुख अंग हैं :-

सामग्री संकलन, सामग्री परीक्षण (प्रमाणीकरण), विषय वस्तु त्याग एवं ग्रहण, संश्लेषण-विश्लेषण द्वारा वर्गीकरण, निष्कर्ष।

उक्त शोध क्रियाविधि को परम्परागत संस्कृत विषयों (वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धमशास्त्र आदि) के अनुसन्धान हेतु किस प्रकार प्रयुक्त किया जा सकता है अथवा इनमें क्या संशोधन अपेक्षित है इस विषय पर चर्चा हेतु महाविद्यालय के Research and Development Cell द्वारा अनुसंधान प्रक्रिया एवं सिद्धान्त विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

संस्कृत भाषा एवं साहित्य में अनुसन्धान की गहन एवं महत्त्वपूर्ण सम्भावनाएं निहित हैं। तथ्यात्मक अनुसन्धान के साथ तुलनात्मक एवं आलोचनात्मक अनुसन्धान की दृष्टि से भी संस्कृत साहित्य में अपार सम्भावनाएं विद्यमान हैं। प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्त्व के क्षेत्र में संस्कृत की प्राचीन पाण्डुलिपियों का योगदान महत्त्वपूर्ण हैं। अतः प्राचीन पाण्डुलिपियों को पढ़ने, संरक्षण करने एवं उनके सम्पादन की प्रक्रिया भी अनुसन्धान प्रविधि में सम्मिलित है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य संस्कृत क्षेत्र में अनुसन्धान की सम्भावनाओं के उद्घाटन के साथ अनुसन्धान की वैज्ञानिक प्रविधि को समझना है।

संगोष्ठी के प्रमुखतः विवेच्य बिन्दु निम्नलिखितानुसार हैं :-

1. शास्त्रीय अनुसन्धान क्रियाविधि।
2. तुलनात्मक अनुसन्धान क्रियाविधि।
3. शोध के नवीन क्षेत्र एवं सम्भावनाएं।
4. शोध सामग्री संकलन प्रक्रिया।
5. शोध सामग्री परीक्षण/ प्रमाणीकरण प्रक्रिया।
6. ग्रन्थ/पाण्डुलिपि सम्पादन के सिद्धान्त।
7. पाण्डुलिपि संरक्षण/ पठन।
8. शोध परियोजना निर्माण विधि।
9. शोधपत्र लेखन।
10. पाठालोचन के सिद्धान्त।
11. वंशवृक्ष निर्माण।
12. शोधप्रबन्ध लेखन एवं अन्य सम्बद्ध विषय।

पत्र-वाचन

कृपया संगोष्ठी में आपके द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले आलेख के विषय के सम्बन्ध में अविलम्ब अवगत कराने का कष्ट करें ताकि संगोष्ठी के विविध सत्रों का तदनुसार संयोजन किया जा सके। कृपया आलेख तथा सारांश (Abstract) की एक प्रति आवश्यक रूप से अंग्रेजी में Times New Roman (12 Size) हिन्दी में Devlys010, चाणक्य, श्री लिपि (14 size) में कम्प्यूटर द्वारा अंकित रूप में एम. एस. वर्ड में इमेल Development.research2022@gmail.com पर 10 जनवरी 2023 तक आवश्यक रूप से प्रेषित कर दें। विलम्ब से प्राप्त शोधालेखों को प्रकाशन हेतु स्वीकार किया जाना सम्भव नहीं होगा।

पंजीकरण-शुल्क

प्राध्यापक/ प्रोफेसर्स - 700/-रू
महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय के शोधार्थी - 500/-रू.

: पंजीकरण हेतु लिंक :

https://forms.gle/q9xXpKj2wWYAk9bPA

रजिस्ट्रेशन एवं फीस के लिए दिए गए QR Code को स्कैन करे, साथ ही शुल्क के लिए UPI Id 9982211119@SBI का प्रयोग करे।

सबमिट फार्म की पीडीएफ आपके मेल पर आएगी जिसे साथ लेकर पधारें।

फार्म भरने हेतु स्कैन करे

फीस भरने हेतु स्कैन करे

महाविद्यालय परिचय

तत्कालीन राजपूताना राज्य के राजवंश एवं श्रेष्ठिवर्ग सदैव साहित्यानुरागी रहे हैं और इसी परम्परा में उन्होंने न केवल राज्य के अपितु भारतवर्ष के विविध प्रान्तों से विद्वानों को आमन्त्रित कर संरक्षण प्रदान किया। वेद, धर्म एवं संस्कृति के सेवक कच्छवाह वंशज महाराजाधिराज रामसिंह द्वितीय ने विद्वानों को संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से सन् 1852 में महाराज संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की। स्वतन्त्रता के पश्चात् राज्यसरकार के संस्कृत निदेशालय द्वारा संचालित, एवं जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध इस महाविद्यालय का इतिहास डेढ सौ से अधिक वर्ष पुराना है। यह महाविद्यालय विश्व प्रसिद्ध पं. मधुसूदन ओझा, पं. मोती लाल शास्त्री, महामहोपाध्याय पं. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, जगद्गुरु शंकराचार्य पं. चन्द्रशेखर द्विवेदी, कालजयी कहानी 'उसने कहा था' के प्रसिद्ध लेखक पं. चन्द्रधरशर्मा 'गुलेरी' आदि भारत प्रसिद्ध विद्वानों की कर्मस्थली रहा है। यह महाविद्यालय आज भी अपनी प्राचीन संस्कृति एवं परम्परा को समेटे अविचलभाव से खड़ा है। नवीन भवन में स्थानान्तरित, अद्यतन सुविधाओं से सम्पन्न, वर्तमान युग के साथ निरन्तर प्रगतिपथ पर अग्रसर है। इस महाविद्यालय में संस्कृत संकाय के समस्त विषयों का अध्यापन/अनुसंधान करवाया जाता है। इसी के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति-विज्ञान एवं इतिहास जैसे आधुनिक विषयों के अध्यापन की व्यवस्था भी उपलब्ध है। यहाँ के आचार्यों एवं छात्रों ने समय समय पर सम्पूर्ण भारतवर्ष में अपनी प्रतिभा का उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय के गौरव को बढ़ाया है।

आयोजन-समिति

: अध्यक्ष :
प्रो. भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय'
प्राचार्य : राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
निदेशक : संस्कृत शिक्षा, राजस्थान

उपाध्यक्ष :
प्रो. शालिनी सक्सेना
निदेशक : शोध एवं विकास प्रकोष्ठ
समन्वयक : IQAC
094140–51119

: परामर्शदाता :
श्री नमामीशंकर बिस्सा
सदस्य : IQAC
सह–आचार्य : अंग्रेजी
098297–93478

संयोजक
डॉ. सीमा जैन
सहा. आचार्य : संस्कृत वाङ्मय
097998–86990

सह–संयोजक
डॉ. महेश कुमार शर्मा
सहा. आचार्य : व्याकरण
094606–94396

समन्वयक
डॉ. जितेन्द्र कुमार अग्रवाल
सह–आचार्य : साहित्य
098281–02448

सह–समन्वयक
डॉ. आलोक शर्मा
सहा. आचार्य : ज्योतिष
098290–15554

स्वागत एवं प्रबंध समिति

डॉ. इन्दिरा खत्री, डॉ. रेखा वर्मा, डॉ. कमलकिशोर सैनी, डॉ. लक्ष्मी नारायण शर्मा, डॉ. शम्भूनाथ झा, श्री शैलेन्द्र जैन, डॉ. अशोक पलसानिया, डॉ. उमेश प्रसाद दाश, डॉ. हरिराम मीना, डॉ. आशुतोष शर्मा, श्री रमनारायण शर्मा, श्री दीपक पालीवाल, डॉ. पृथ्वीसिंह बूंदवाल, डॉ. भारती शर्मा, डॉ. रवि शर्मा, श्रीमती पूनम आर्य, श्री कैलाशचन्द्र सैन, श्री अभिषेक भारद्वाज, श्री दीपक आलोरिया, श्री रोशन मीणा, श्री कृष्णगोपाल गुजराती, श्रीमती सन्तोष मीणा, श्रीमती मनोहरी सोयाल।

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
गाँधी नगर, जयपुर द्वारा आयोजित

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

अनुसन्धान प्रक्रिया एवं सिद्धान्त

16–17 जनवरी 2023

आयोजक :

IQAC, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ
राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
NAAC (राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद) द्वारा बी ग्रेड प्राप्त
महात्मा गाँधी मार्ग, जयपुर – 302015 (राज.) दूरभाष : 0141–2706608
ई–मेल : maharaj.college@gmail.com

विशिष्ट व्याख्यान

धर्मशास्त्र में संस्कारों का महत्त्व

दिनांक 31 मार्च, 2021 बुधवार

प्रात: 11.00 बजे

मुख्य वक्ता :

डॉ. कृष्णा शर्मा

विभागाध्यक्ष (धर्मशास्त्र)

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय

एकलव्य परिसर,

अगरतला, त्रिपुरा

अध्यक्षता : प्रो. भास्कर शर्मा, प्राचार्य

विशिष्ट अतिथि : प्रो. शालिनी सक्सेना, समन्वयक IQAC

व्याख्यान स्थल – सभागार कक्ष महाविद्यालय परिसर

संयोजक

डॉ. चेतना पाठक

विभागाध्यक्ष (धर्मशास्त्र)

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय , जयपुर

विशिष्ट व्याख्यान

अलङ्कार स्वरूपम्

दिनांक 19 मार्च, 2021 शुक्रवार

प्रात: 11.30 बजे

मुख्य वक्ता :

प्रो. रामकुमार शर्मा

विभागाध्यक्ष (साहित्य)

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय

जयपुर परिसर,

जयपुर

अध्यक्षता : प्रो. भास्कर शर्मा, प्राचार्य

विशिष्ट अतिथि : प्रो. शालिनी सक्सेना, समन्वयक IQAC

व्याख्यान स्थल – सभागार कक्ष महाविद्यालय परिसर

संयोजक

डॉ. जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

विभागाध्यक्ष (साहित्य)

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय , जयपुर

विशिष्ट व्याख्यान

शब्द ब्रह्म तत्त्व विवेचन

दिनांक 8 मार्च, 2021 सोमवार
मध्याह्न 12.00 बजे

मुख्य वक्ता: प्रो. मोहन लाल शर्मा,
पूर्वविभागाध्यक्ष व्याकरण,
राज.महा.आ. सं. महा, जयपुर

अध्यक्षता : प्रो. भास्कर शर्मा, प्राचार्य
विशिष्ट अतिथि : प्रो. शालिनी सक्सेना, समन्वयक IQAC

विशिष्ट व्याख्यान स्थल: सेमीनार हॉल
महाविद्यालय परिसर

संयोजक

डॉ. शीला चौबीसा

विभागाध्यक्ष– व्याकरण

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

Govt. Maharaj Acharya Sanskrit College, Gandhi Nagar, Jaipur

Special Lecture

On

संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में लैंगिक समानता एवं सुरक्षा

SPEAKER

Prof. Suman Maurya
Asst. Prof, Dept. of Political Science
University of Rajasthan,
Jaipur

Friday, 5 March, 2021 1pm

Venue- Govt. Maharaj Acharya Sanskrit College, Gandhi Nagar Jaipur

Online Modes

Join through Google Meet

meet.google.com/hme-grzk-hdm

Join by phone

(US) +1 405-804-1504 (PIN: 228144526)

Chairperson- Prof. Bhaskar Sharma (Principal)
Special Guest- Prof. Shalini Saxsena (IQAC coordinator)

Organised by

Dr. Kamal Kishor Saini
(Dept. of Political Science, Govt. Maharaj Acharya Sanskrit College Jaipur)

NAAC (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

महात्मा गाँधी मार्ग, जयपुर दूरभाष : 0141-2706608

International Webinar

विषय : कोरोना के प्रभाव : वैश्विक परिदृश्य में

(आर्थिक-सामाजिक-मनोवैज्ञानिक)

FREE

24 मई 2020, समय : दोपहर 02:00 से 04:00

पंजीयन जरूरी है।

आशीर्प्रदाता
माननीय शिक्षामंत्री
डॉ. सुभाष गर्ग
राजस्थान सरकार

प्राचार्य
प्रोफेसर (डॉ.) भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय'
प्राचार्य एवं ज्योतिष विभागाध्यक्ष
अधिष्ठाता वेद-वेदांग संकाय - ज.रा.रा.सं.वि.वि.

मार्गदर्शन
माननीय कुलपति
डॉ. अनुला मौर्य
ज.रा.रा.सं.वि.वि.

डॉ. शालिनी सक्सेना

श्री एन. एस. बिस्सा

डॉ. सीमा जैन

डॉ. रवि शर्मा

नोट : पंजीयन के पश्चात् आपको लिंक भेज दिया जायेगा।

NAAC (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

महात्मा गाँधी मार्ग, जयपुर दूरभाष : 0141-2706608

International Webinar

विषय : ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड

FREE

25 मई 2020, समय : दोपहर 02:00 से 04:00

पंजीयन जरूरी है।

आशीर्प्रदाता
माननीय शिक्षामंत्री
डॉ. सुभाष गर्ग
राजस्थान सरकार

प्राचार्य
प्रोफेसर (डॉ.) भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय'
प्राचार्य एवं ज्योतिष विभागाध्यक्ष
अधिष्ठाता वेद-वेदांग संकाय - ज.रा.रा.सं.वि.वि.

मार्गदर्शन
माननीय कुलपति
डॉ. अनुला मौर्य
ज.रा.रा.सं.वि.वि.

डॉ. शालिनी सक्सेना

डॉ. आलोक शर्मा

डॉ. हंसराज शर्मा

डॉ. रवि शर्मा

नोट : पंजीयन के पश्चात् आपको लिंक भेज दिया जायेगा।

NAAC (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

महात्मा गाँधी मार्ग, गांधीनगर जयपुर दूरभाष: 0141-2706608

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

राष्ट्रीय वेबिनार : भक्तिकाल और मीराबाई

प्रायोजक : हिंदी विभाग

8 जून 2020, समय : मध्याह्न 12:00 से 2:00

आशीर्प्रदाता
निदेशक
डॉ. दीरघराम रामस्नेही
संस्कृत शिक्षा,
राजस्थान सरकार

मार्गदर्शन
प्राचार्य
प्रो. डॉ. भास्कर शर्मा
'श्रोत्रिय'

समन्वयक
डॉ. शालिनी सक्सेना
संपर्क – 9414051119

संयोजक
हिंदी विभागाध्यक्ष
डॉ. इंदिरा खत्री
संपर्क - 9413238912

निशुल्क पंजीकरण

मुख्य वक्ता

डॉ. शीताभ शर्मा
सहायक आचार्य : हिंदी
कनो. पी. जी. म. महा.
जयपुर

डॉ. सत्यदेव सिंह
सह-आचार्य : हिंदी
राजकीय महाविद्यालय,
किशनगढ़

डॉ. आशा शर्मा
प्राध्यपक
संस्कृत शिक्षा
जयपुर

डॉ. गौरव अग्रवाल
आचार्य : हिंदी
पोद्दार इंटरनेशनल
कॉलेज, जयपुर

Govt. Maharaj Acharya Sanskrit College

Gandhi Nagar,Jaipur

web:masc.ac.in,Email:maharaj.college@gmail.com

National Webinar

Google Meet: http://meet.google.com/kve-zuth-jqe

on

Registration Free:https://forms.gle/eY8KmtFa5kyQfD5NA

Naac Assessment in Higher & Sanskrit Education: Prospects and Efforts (with reference to Rajasthan)

6June,2020 at 12.00 PM-1.30 PM

Patron

Sh.Pradeep Borad (IAS)

Chairman

Prof. Bhaskar Sharma

Co-Ordinators

Prof. Shalini Saxena

N.S.Bissa

Speakers

Dr. Vimlesh Soni
Joint Director RUSA
Member Secretary, SLQAC

Dr. Shruti Gupta
Assistant Project Director RUSA
Member, SLQAC

Prof. Ramakant Panday
Central Sanskrit University, Jaipur

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

महात्मा गांधी मार्ग, गांधी नगर, जयपुर-0140-2706608

NAAC (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्) द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

राष्ट्रीय वेबिनार

वेदों में विश्व बन्धुत्व की भावना

आशीःप्रदाता

डॉ. दीर्घराम रामस्नेही
निदेशक- संस्कृत शिक्षा, राज.सरकार

दिनांक 09 जून 2020

दोपहर 2.00 बजे से 3.30 तक

आयोजकः **वेद विभाग**
राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जयपुर

अध्यक्ष

प्रो. डॉ. भास्कर शर्मा "श्रोत्रिय"
प्राचार्य

मुख्य वक्ता

प्रो. डॉ. मुरली मनोहर पाठक
सं.विभाग
दीन. उपा. वि. वि. गोरखपुर

प्रो. डॉ. गंगाधर पण्डा
कुलपति
झारखण्ड वि.वि.
झारखण्ड

प्रो. रूपकिशोर शास्त्री
कुलपति
गु.कु.का. वि.वि
हरिद्वार, उत्तराखण्ड

डॉ.देवेन्द्र मिश्र
वेद विभाग
लाल बहादुर शा. के. वि. वि.
नई दिल्ली

डॉ.शम्भु कुमार झा
वेद विभागाध्यक्ष
ज.रा.रा.सं.वि.वि.
जयपुर

पंजीयन निःशुल्क

https://forms.gle/SuvZxsQie2HdxyzB7 meet.google.com/eca-pgzw-njx

राजस्थान सरकार

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

गाँधी नगर, जयपुर

NAAC द्वारा
B ग्रेड प्राप्त

राष्ट्रीय वेबिनार

संस्कृत वाङ्मय में सामाजिक समरसता

आशीर्प्रदाता

प्रो.दीरघराम रामस्नेही- निदेशक

दिनांक 11 जून 2020

दोपहर 12.00 बजे से 2.00 तक

अध्यक्ष

प्रो. भास्कर शर्मा-प्राचार्य

प्रो. शालिनी सक्सेना
समन्वयक, IQAC

डॉ. जितेन्द्र कुमार अग्रवाल
संयोजक/विभागाध्यक्ष-साहित्य

डॉ.शीला चौबीसा
विभागाध्यक्ष-व्याकरण

शैलेष जैमन
साहित्य विभाग

पंजीयन नि:शुल्क

https://forms.gle/tBwrLFisRsJWvDLVA

https://meet.google.com/bgb-vdnw-zie

आयोजक: साहित्य-भाषा विज्ञान विभाग, राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

राजस्थान सरकार

NAAC द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

महात्मा गांधी मार्ग, गांधी नगर, जयपुर-0140-2706608
Web:masc.ac.in, Email:maharaj.college@gmail.com

राष्ट्रीय वेबिनार

व्याकरण शास्त्र चर्चा

'अपादान विचार'

शनिवार, 13 जून, 2020 दोपहर 12 से 2 बजे तक

संरक्षक

डॉ. दीरघराम रामस्नेही
निदेशक- संस्कृत शिक्षा, राज.सरकार

अध्यक्ष

प्रो. डॉ. भास्कर शर्मा "श्रोत्रिय"
प्राचार्य

कार्यक्रम अध्यक्ष

प्रो.जयकान्त सिंह शर्मा
विभागाध्यक्ष: व्याकरण
श्री एल.बी.एस. केन्द्रीय वि.वि, नई दिल्ली

मुख्यवक्ता

प्रो.भगवत्शरण शुक्ल
आचार्य: व्याकरण विभाग
बी.एच.यू. वाराणसी

सारस्वत अतिथि

प्रो.श्रीधर मिश्र
आचार्य: व्याकरण विभाग
केन्द्रीय सं.वि.वि, जयपुर

सारस्वत अतिथि

प्रो. रामसलाही द्विवेदी
आचार्य: व्याकरण विभाग
श्री एल.बी.एस. केन्द्रीय वि.वि. नई दिल्ली

सारस्वत अतिथि

डॉ. राजधर मिश्र
निदेशक: अनुसन्धान केन्द्र
ज.रा.रा.स.वि.वि.जयपुर

समन्वय-IQAC

प्रो. शालिनी सक्सेना
विभागाध्यक्ष- भाषा विज्ञान

आयोजक:

व्याकरण विभाग

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

संयोजक

डॉ.शीला चौबीसा
विभागाध्यक्ष- व्याकरण

राजस्थान सरकार

NAAC द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

महात्मा गांधी मार्ग, गांधी नगर, जयपुर-0140-2706608

Web:masc.ac.in, Email:maharaj.college@gmail.com

राष्ट्रीय वेबिनार

भाषा विज्ञान एवं व्याकरण परस्पर सम्बन्ध

बुधवार, 17 जून, 2020 प्रातः 11.45 से 2.45 तक

संरक्षक

डॉ. दीर्घराम रामस्नेही
निदेशक- संस्कृत शिक्षा, राज.सरकार

अध्यक्ष

प्रो. डॉ. भास्कर शर्मा "श्रोत्रिय"
प्राचार्य

कार्यक्रम अध्यक्ष

प्रो.अर्कनाथ चौधरी
पूर्व कुलपति
श्री सोमनाथ संस्कृत वि.वि., गुजरात

सारस्वत वक्ता

प्रो. कौशलेन्द्र पाण्डेय
विभागाध्यक्ष-साहित्य
बी.एच.यू.वाराणसी

सारस्वत वक्ता

प्रो. लक्ष्मी शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष (संस्कृत)
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

मुख्य वक्ता

डॉ.रामनारायण द्विवेदी
सह आचार्य-व्याकरण
बी.एच.यू.वाराणसी

विशिष्ट वक्ता

डॉ. प्रमोद शर्मा
सह आचार्य-व्याकरण
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय

विशिष्ट वक्ता

डॉ.रमाकान्त पाण्डेय
सहायक आचार्य-व्याकरण
बी.एच.यू.वाराणसी

समन्वय-IQAC

प्रो. शालिनी सक्सेना
विभागाध्यक्ष- भाषा विज्ञान

आयोजकः

भाषा विज्ञान एवं व्याकरण विभाग

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

संयोजक

डॉ.शीला चौबीसा
विभागाध्यक्ष- व्याकरण

राजस्थान सरकार

NAAC द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

महात्मा गांधी मार्ग, गांधी नगर, जयपुर-0140-2706608
Web:masc.ac.in, Email:maharaj.college@gmail.com

राष्ट्रीय वेबिनार

समकालीन साहित्य एवं संस्कृति

गुरूवार, 18 जून, 2020 प्रात: 11.45 से 2.15 तक

संरक्षक

प्रो.दीर्घराम रामस्नेही
निदेशक- संस्कृत शिक्षा, राज.सरकार

अध्यक्ष

प्रो. डॉ. भास्कर शर्मा "श्रोत्रिय"
प्राचार्य

कार्यक्रम अध्यक्ष

प्रो. नीरज शर्मा
विभागाध्यक्ष- संस्कृत
मोहनलाल सुखाड़िया वि.वि., उदयपुर

मुख्य वक्ता

डॉ. मीनाक्षी जोशी

सारस्वत वक्ता

डॉ.सुपन्था भट्टाचार्य
सह आचार्य एवं निदेशक- अंग्रेजी विभाग
हिस्लोप कॉलेज, नागपुर

मुख्य वक्ता

डॉ.मीरा द्विवेदी
सह आचार्य-संस्कृत विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

सारस्वत वक्ता

डॉ.फिरोज
सहायक आचार्य- संस्कृत विभाग
कला संकाय, बी.एच.यू. वाराणसी

समन्वयक-IQAC

प्रो. शालिनी सक्सेना
विभागाध्यक्ष- भाषा विज्ञान

संयोजक

डॉ.सीमा जैन
व्याख्याता- सामान्य संस्कृत

सह संयोजक

डॉ.शम्भूनाथ झा
व्याख्याता- सामान्य संस्कृत

आयोजकः

भाषा विज्ञान-संस्कृत वाङ्मय विभाग

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

NAAC Accreditated with 'B'

Govt. Maharaj Acharya Sanskrit College, Jaipur

Mahatma Gandhi Marg, Gandhi Nagar, Jaipur
Ph. 0141-2706608, www.masc.ac.in

Department of English invites you to the
NATIONAL WEBINAR on

Interpreting and Understanding Literature in the Context of COVID-19

LIVE Stream on Youtube
Date: 04 July, 2020
Time: 12:00 PM (Afternoon)

Prof. Bhaskar Sharma
'Shrotriya'
Principal, MASC Jaipur

For E-Certificates Kindly register on the Link - bit.ly/3eB1KL3

E-Certificates to be issued only on submitting Feedback Form

Government M.A. Sanskrit College Jaipur

Mahatma Gandhi Marg, Gandhi Nagar, Jaipur Ph. 0141-2706608

Govt. Maharaj Acharya Sanskrit College [MASC], Jaipur is one of the oldest Sanskrit colleges in India and was founded in 1852. While patronizing the oriental studies, the institute is responsive to the modern age challenges in higher education and it reflects in the meaningful practices adopted by this institute. One such practice is the use of Information Communication Technology [ICT]. In the present situation of COVID-19 pandemic, this Webinar is one of many ICT enabled practices adopted by our institute.

DISTINGUISHED SPEAKERS

Dr. P.P. Ajayakumar
Pro Vice Chancellor
University of Kerala

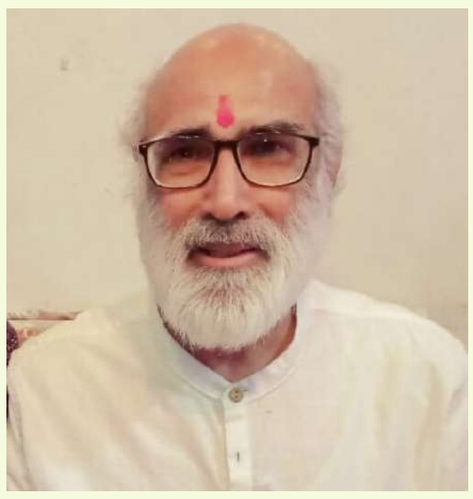

Prof. K.K. Gautam
Director, School of Languages,
Literature & Society
Jaipur National University

Dr. Minakshi Jain
Asso. Prof. & HOD English
MLSU, Udaipur

Ms. Ruchi Sharma
Assistant Professor
Chitkara University, Punjab

Prof. Shalini Saxena
Coordinator, IQAC
MASC Jaipur

Mrs. Rekha Verma
Convener - Webinar
MASC Jaipur

Mr. N.S. Bissa
Co-Convener - Webinar
MASC Jaipur

Participants will be issued e-certificates after attending the Webinar and submitting Feedback Form.

Certificate

असतो मा सद्गमय

Government Shastri Sanskrit College
Mahapura, Jaipur (Raj.) 302026
(Accredited by NAAC, Grade B)
www.govtsscollegemahapura.com email govtsscollege@gmail.com

NAAC SPONSORED NATIONAL SEMINAR

On

Qualitative Enhancement of Teaching Pedagogy in Institutes of Higher Education

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. SHALINI SAXENA
from GOVT. MAHARAJ ACHARYA SANSKRIT COLLEGE JAIPUR (RAJ).
participated / presented a paper titled शिक्षण विधि एवं गुरु शिष्य सम्बन्ध
उच्चशिक्षा में गुणवत्ता निर्धारण के सन्दर्भ में in this National Seminar.
We acknowledge his / her valuable contribution and wish him / her a bright future ahead.

Place : Mahapura
Date : Nov. 09, 2019

Dr. Mahesh Kumar Sharma
Co-ordinator

Arun Kumar Jain
Principal

INTERNATIONAL WORKSHOP ON
GLOBAL PEACE & NONVIOLENT ACTION

Jointly Organised by

S.S. JAIN SUBODH
P.G. (AUTONOMOUS) COLLEGE, JAIPUR
A++ NAAC

NAVBHARAT MEMORIAL FOUNDATION
A Tribute to Late Shri Narendra Singh Kothari
ijcms2015@gmail.com www.ijcms2015.co

Certificate

This is to certify that Prof. /Dr. /Mr. /Ms. Indira Khatri

Govt Maharaja Sanskrit College Jaipur has participated

in the **INTERNATIONAL WORKSHOP ON "GLOBAL PEACE & NONVIOLENT ACTION"** sponsored by International Association for Research and Innovation, Jaipur jointly organised by **S.S. JAIN SUBODH P.G. (AUTONOMOUS) COLLEGE**

and **NAVBHARAT MEMORIAL FOUNDATION, JAIPUR** on November 29, 2018.

International Association for Research and Innovation, Jaipur
IARI
शोध एवं शिक्षा के क्षेत्र में उन्नयन एवं विकास के लिए प्रतिबद्ध

Prof. K.B. Sharma
Principal
S.S. Jain Subodh P.G. (Autonomous) College
Rambagh Circle, Jaipur (INDIA)

Matt Meyer
UN Representative IPRA
Chair, Financial Advisory Committee
International Fellowship of Reconciliation

Prof. Vidya Jain
Convenor, Nonviolence Commission IPRA
Ex SG, APPRA
Ex Director, Gandhi Bhawan, Jaipur

Dr. Surendra P. Kothari
Convenor-IWGPNA, Founder-NBMF
265, Gurunanakpura
Jaipur (INDIA)

Certificate

असतो मा सद्गमय

तमसो मा ज्योतिर्गमय

Government Shastri Sanskrit College

Mahapura, Jaipur (Raj.) 302026

(Accredited by NAAC, Grade B)

www.govtsscollegemahapura.com email govtsscollege@gmail.com

NAAC SPONSORED NATIONAL SEMINAR

On

Qualitative Enhancement of Teaching Pedagogy in Institutes of Higher Education

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. INDIRA KHATRI, LECTURER.

from GOVT. MAHARAJ ACHARYA SANSKRIT COLLEGE, JAIPUR (RAJ).

participated / presented a paper titled पाठ्यक्रम में अद्यतनीकरण में संवर्धन एवं संशोधन in this National Seminar.

We acknowledge his / her valuable contribution and wish him / her a bright future ahead.

Place : Mahapura
Date : Nov. 09, 2019

Dr. Mahesh Kumar Sharma
Co-ordinator

Arun Kumar Jain
Principal

International Conference on
Searching Identities : Exploring Global Perceptions on Women Empowerment in 21st Century

Organized by :
Savitribai Phule Organisation for Academic Research & Social Development & St. Wilfred's College for Girls, Jaipur

3rd & 4th January, 2022

Certificate

This is to certify that ***Dr. Indira Khatri***,

Assoc. Prof. - Govt. Maharaj Acharya Sanskrit College, Jaipur has participated in International Conference on ***Searching Identities Exploring Global Perceptions on Women Empowerment in 21st Century*** held on January 3 & 4, 2022.

In this conference, she/he chaired a technical session/presented/delivered an article on
" मीडिया और साहित्य में महिलाओं की भूमिका "

We wish her / him the best for future endeavours.

Dr. Keshav Badaya	Dr. Manisha Tiwari	Chhavi Saini	Dr. Kamal Kishor Saini
Patron	Convener	Co-Convener	Coordinator

शैक्षिक मंथन संस्थान, जयपुर

आषाढ़ कृष्ण दशमी, विक्रम संवत् 2075 रविवार, 8 जुलाई 2018, जयपुर (राज.)

राष्ट्रीय संगोष्ठी

National Seminar

उच्च शिक्षा में नैतिकता एवं कार्य संस्कृति

(Morality and Work Culture in Higher Education)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शम्भूनाथ झा

पद व्याख्याता संस्थान राज. महाराज आचार्य संस्कृत कॉलेज, जयपुर

ने शैक्षिक मंथन संस्थान, जयपुर द्वारा दिनांक 8 जुलाई, 2018 (रविवार) को आयोजित 'उच्च शिक्षा में नैतिकता एवं कार्य संस्कृति' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में सक्रिय रूप से भाग लिया एवं शोध पत्र प्रस्तुत किया।

(प्रो. जगदीश प्रसाद सिंघल)	(डॉ. ग्यारसी लाल जाट)	(डॉ. दीपक कुमार शर्मा)	(डॉ. कमल कुमार मिश्रा)
अध्यक्ष	सचिव	संगोष्ठी संयोजक	आयोजन सचिव

असतो मा सद्गमय

तमसो मा ज्योतिर्गमय

75

Government Shastri Sanskrit College

Mahapura, Jaipur (Raj.) 302026

(Accredited by NAAC, Grade B)

www.govtsscollegemahapura.com email govtsscollege@gmail.com

NAAC SPONSORED NATIONAL SEMINAR

On

Qualitative Enhancement of Teaching Pedagogy in Institutes of Higher Education

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. SHAMBHU NATH JHA

from GOVT. MAHARAJ ACHARYA SANSKRIT COLLEGE JAIPUR

participated / presented a paper titled उच्च शिक्षा में मूल्यों की अद्यतन प्रासङ्गिकता *in this National Seminar.*

We acknowledge his / her valuable contribution and wish him / her a bright future ahead.

Place : Mahapura
Date : Nov. 09, 2019

Dr. Mahesh Kumar Sharma
Co-ordinator

Arun Kumar Jain
Principal

NAAC द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय एवं

राजस्थान संस्कृत अकादमी द्वारा प्रायोजित

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कवि-सम्मेलन

25–26 मार्च 2021

सामाजिक समरसता एवं संस्कृत साहित्य

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/प्रो./डॉ. शम्भूनाथ मा व्यारव्याता

संस्था/विश्वविद्यालय/मलविद्यालय राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय जयपुर

ने द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कवि-सम्मेलन में उपस्थित लेकर

ज्योतिष शास्त्रे सामाजिक समरसता शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत/वाचन किया/

काव्यपाठ/ व्याख्यान किया/सत्र अध्यक्षता की।

अध्यक्ष	संयोजक	सह-संयोजक	समन्वयक	सह-समन्वयक	आयोजन सचिव
प्रो. भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय'	डॉ. शालिनी सक्सेना	डॉ. जितेन्द्र कुमार अग्रवाल	डॉ. शीला चौबीसा	डॉ. सीमा जैन	डॉ. आलोक शर्मा

International Conference on
Searching Identities : Exploring Global Perceptions on Women Empowerment in 21st Century

Organized by :
Savitribai Phule Organisation for Academic Research & Social Development
& St. Wilfred's College for Girls, Jaipur

3rd & 4th January, 2022

Certificate

This is to certify that ***Dr. Shambhu Nath Jha***,
Asst. Prof. - Govt. Maharaj Acharya Sanskrit College, Jaipur has participated in International Conference on ***Searching Identities Exploring Global Perceptions on Women Empowerment in 21st Century*** held on January 3 & 4, 2022.

In this conference, she/he chaired a technical session/presented/delivered an article on "भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में नारीशक्ति का योगदान"

We wish her / him the best for future endeavours.

Dr. Keshav Badaya	Dr. Manisha Tiwari	Chhavi Saini	Dr. Kamal Kishor Saini
Patron	Convener	Co-Convener	Coordinator

176

NAAC द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

द्वारा आयोजित

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

16–17 जनवरी 2023

अनुसन्धान प्रक्रिया एवं सिद्धान्त

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/प्रो./डॉ. शम्भूनाथ झा सहायक आचार्य

संस्था/विश्वविद्यालय/महाविद्यालय राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

ने इस महाविद्यालय के IQAC तथा शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में

उपस्थित होकर अनुसन्धान नियमों की अद्यतन प्रासंगिकता

शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया/ व्याख्यान दिया/सत्र अध्यक्षता की।

डॉ. शालिनी सक्सेना निदेशक : शोध एवं विकास प्रकोष्ठ समन्वयक : IQAC	डॉ. सीमा जैन संयोजक सहायक आचार्य : संस्कृत वाङ्मय	डॉ. जितेन्द्र कुमार अग्रवाल समन्वयक सह-आचार्य : साहित्य	प्रो. भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय' प्राचार्य निदेशक : संस्कृत शिक्षा, राजस्थान

INTERNATIONAL WORKSHOP ON
GLOBAL PEACE & NONVIOLENT ACTION

Jointly Organised by

S.S. JAIN SUBODH
P.G. (AUTONOMOUS) COLLEGE, JAIPUR
NAAC A++

NAVBHARAT MEMORIAL FOUNDATION
A Tribute to Late Shri Narendra Singh Kothari
ijcms2015@gmail.com www.ijcms2015.co

Certificate

This is to certify that Prof. /Dr. /Mr. /Ms. Kamal Kishor Saini,
Deptt of Pol. Science, Govt Maharaj Acharya Sanskrit College Jaipur has participated in the **INTERNATIONAL WORKSHOP ON "GLOBAL PEACE & NONVIOLENT ACTION"** sponsored by International Association for Research and Innovation, Jaipur jointly organised by **S.S. JAIN SUBODH P.G. (AUTONOMOUS) COLLEGE** and **NAVBHARAT MEMORIAL FOUNDATION, JAIPUR** on November 29, 2018.

International Association for Research and Innovation, Jaipur
IARI
ज्ञान एवं शिक्षा के क्षेत्र में उन्नयन एवं विकास के लिए प्रतिबद्ध

Prof. K.B. Sharma
Principal
S.S. Jain Subodh P.G. (Autonomous) College
Rambagh Circle, Jaipur (INDIA)

Matt Meyer
UN Representative IPRA
Chair, Financial Advisory Committee
International Fellowship of Reconciliation

Prof. Vidya Jain
Convenor, Nonviolence Commission IPRA
Ex SG, APPRA
Ex Director, Gandhi Bhawan, Jaipur

Dr. Surendra P. Kothari
Convenor-IWGPNA, Founder-NBMF
265, Gurunanakpura
Jaipur (INDIA)

CERTIFICATE

IPSA
INDIAN POLITICAL SCIENCE ASSOCIATION
सरस्वती श्रुति महती महीयताम्

CELEBRATING IPSA @80

58th All India Political Science Conference
&
International Conference
on
ASPIRING INDIA

29th-30th December, 2018

CHAUDHARY CHARAN SINGH UNIVERSITY, MEERUT
यत्र सत्यस्य परमं निधानम्

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. Kamal Saini Govt. Maharaj Acharya Sanskrit College, Jpr. has participated and presented a paper entitled:- वर्तमान भारत में सहकारी संघवाद : एक अनिवार्य तथ्य in the 58th All India Political Science Conference and International Conference on ***Aspiring India*** of the Indian Political Science Association (IPSA) on 29th-30th December, 2018 organized by the Department of Political Science, Chaudhary Charan Singh University, Meerut.

Jugal K Mishra
President
IPSA

General Secretary and Treasurer
IPSA

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

(16-17 फरवरी, 2019)

भक्ति आंदोलन और गुरु जाम्भोजी : वैश्विक संदर्भ

आयोजक : जाम्भाणी साहित्य अकादमी, बीकानेर (राज.) | हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला
हिंदी विभाग, गोवा विश्वविद्यालय, पणजी | बिश्नोई वेलफेयर ट्रस्ट व बिश्नोई समाज, गोवा

प्रमाण-पत्र

क्रमांक 32

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमान्/श्रीमती डा० कमल सैनी सहायक आचार्य राजनीति विज्ञान

निवासी राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय - जयपुर ने

16-17 फरवरी, 2019 को **"भक्ति आंदोलन और गुरु जाम्भोजीः वैश्विक संदर्भ"** विषय पर हिन्दी विभाग, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा ; जाम्भाणी साहित्य अकादमी, बीकानेर; हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला एवं बिश्नोई वेलफेयर ट्रस्ट व बिश्नोई समाज, गोवा द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा अपना वैचारिक योगदान दिया।

विशेषः इन्होंने इस सम्मेलन में विशिष्ट व्याख्यान - राज० में भक्ति आंदोलन में संत जाम्भोजी का योगदान विषय पर शोध-पत्र/आलेख भी प्रस्तुत किया।

अध्यक्ष	आयोजन सचिव	संयोजक	अध्यक्ष
हिन्दी विभाग, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, पणजी, गोवा	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, पणजी, गोवा	जाम्भाणी साहित्य अकादमी, बीकानेर (राज.)

स्थलः दीनानाथ मंगेशकर सभागृह, कला अकादमी, पणजी

Certificate

असतो मा सद्गमय

तमसो मा ज्योतिर्गमय

28

Government Shastri Sanskrit College

Mahapura, Jaipur (Raj.) 302026

(Accredited by NAAC, Grade B)

www.govtsscollegemahapura.com email govtsscollege@gmail.com

NAAC SPONSORED NATIONAL SEMINAR

On

Qualitative Enhancement of Teaching Pedagogy in Institutes of Higher Education

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. KAMAL KISHORE SAINI LECTURER

from GOVT. MAHARAJ ACHARYA SANSKRIT COLLEGE, JAIPUR (RAJ).

participated / presented a paper titled शिक्षण संस्थानों में प्रयुक्त होने वाली शिक्षण विधियाँ *in this National Seminar.*

We acknowledge his / her valuable contribution and wish him / her a bright future ahead.

Place : Mahapura

Date : Nov. 09, 2019

Dr. Mahesh Kumar Sharma
Co-ordinator

Arun Kumar Jain
Principal

NAAC द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय एवं

राजस्थान संस्कृत अकादमी द्वारा प्रायोजित

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कवि-सम्मेलन

25–26 मार्च 2021

सामाजिक समरसता एवं संस्कृत साहित्य

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/प्रो./डॉ. कमल किशोर सैनी व्याख्याता "राज. विज्ञान"

संस्था/विश्वविद्यालय/महाविद्यालय राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय जयपुर

ने द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कवि-सम्मेलन में उपस्थित होकर

संस्कृत साहित्य में साम्यवाद की अवधारणा शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत/वाचन किया/

काव्यपाठ/ व्याख्यान किया/सत्र अध्यक्षता की।

अध्यक्ष	संयोजक	सह-संयोजक	समन्वयक	सह-समन्वयक	आयोजन सचिव
प्रो. भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय'	डॉ. शालिनी सक्सेना	डॉ. जितेन्द्र कुमार अग्रवाल	डॉ. शीला चौबीसा	डॉ. सीमा जैन	डॉ. आलोक शर्मा

178

NAAC द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

द्वारा आयोजित

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

16–17 जनवरी 2023

अनुसन्धान प्रक्रिया एवं सिद्धान्त

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/प्रो./डॉ. कमल किशोर सैनी, सह-आचार्य

संस्था/विश्वविद्यालय/महाविद्यालय राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

ने इस महाविद्यालय के IQAC तथा शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित होकर राजनीति विज्ञान में अनुसन्धान की प्रविधियाँ

शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया/ व्याख्यान दिया/सत्र अध्यक्षता की।

डॉ. शालिनी सक्सेना निदेशक : शोध एवं विकास प्रकोष्ठ समन्वयक : IQAC	डॉ. सीमा जैन संयोजक सहायक आचार्य : संस्कृत वाङ्मय	डॉ. जितेन्द्र कुमार अग्रवाल समन्वयक सह-आचार्य : साहित्य	प्रो. भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय' प्राचार्य निदेशक : संस्कृत शिक्षा, राजस्थान

Certificate

भारत 2023 INDIA

वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

सरस्वती श्रुति महती महीयताम्

ज्ञान शांति मैत्री

60th All India Political Science Conference & International Seminar on *Vasudhaiva Kutumbakam* : One Earth, One Family, One Future

9th-10th September 2023

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. Kamal Kishor Saini, Govt. M.A.S.C Jaipur has participated and presented a paper entitled:- India's ascent to the G20 Presidency in the 60th All India Political Science Conference and International Seminar on **Vasudhaiva Kutumbakam: One Earth, One Family, One Future** of the Indian Political Science Association (IPSA) on 9th-10th September 2023 organized by **Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha (Maharashtra).**

Santishree Pandit
President
IPSA

Organizing Secretary
IPSA Conference

General Secretary and Treasurer
IPSA

CERTIFICATE

This is to certify that

Dr. Mahesh Kumar Sharma

Lecturer

Govt. Shastri Sanskrit College, Mahapura, Jaipur

has successfully participated in the

Training Course

on

Computer Appreciation for Executives

at

CENTRE FOR MANAGEMENT STUDIES
HCM Rajasthan State Institute of Public Administration
Jaipur-302 017

during 06 – 10 August 2018

(Dr RAKESH SINGHAL)
Professor (Computers)
& Course Director

The course has been sponsored by
Department of Personnel & Training, New Delhi
Government of India

Jaipur, 10.08.2018

संस्थापित सन् 1885 फोन : 9116636547

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान से सम्बद्ध
तथा राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर-302 029 (राजस्थान)

क्रमांक : 764/2018 दिनांक 23/7/2018

श्रीमान् डॉ. महेश कुमार शर्मा

आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक

राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, महापुरा, जयपुर

विषय – महाविद्यालय में गठित आई.क्यू.ए.सी. समिति को नैक विषयक मार्गदर्शन प्रदान करने बाबत।

महोदय,

आप निदेशालय संस्कृत शिक्षा राजस्थान द्वारा गठित नैक समिति के सदस्य हैं तथा आप राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, महापुरा के आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक भी हैं। आपके द्वारा उक्त महाविद्यालय में 2014 से आई.क्यू.ए.सी. सम्बन्धी कार्य किया जा रहा है। अतः आपके अनुभव को देखते हुए श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में गठित आई.क्यू.ए.सी. समिति को नैक विषयक समस्त जानकारी प्रदान करने एवं मार्गदर्शन करने हेतु दिनांक 26 जुलाई 2018 को एक व्याख्यान का आयोजन किया जाना है। एतदर्थ स्वीकृति प्रदान करने का कष्ट करें।

(डॉ.अनिल कुमार जैन)

प्राचार्य एवं चैयरमैन (IQAC)

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

Certificate

(Managed by: Mahipatram Rupram Ashram)

M. P. Arts and M. H. Commerce College for Women

[Accredited by NAAC with A Grade with the CGPA 3.02]

Outside Raipur Gate, Ahmedabad-380022 * Phone : 079 - 25453128, 25454231
www.mpmhcollege.edu.in • Email : mpmhac216@yahoo.co.in

A NAAC Sponsored National Seminar

on

Qualitative Amendments in Curriculum Designing & Delivering with respect to New NAAC

This is to certify that Dr./ Prof. /Mr. /Ms. Maheshkumar Sharma

from Rajakiya Shastri Sanskrit Mahavidyalay, Jaipur

participated in the National Seminar and presented a paper titled पाठ्यक्रम - निर्माण के सिद्धान्त एवं सम्प्रेषण उपागम

We acknowledge his / her valuable contribution and wish him / her a bright future ahead.

Place : Ahmedabad
Date: February 17, 2019

Dr. Margi Hathi
IQAC Coordinator

Dr. Bharti Dave
Principal I/c

Certificate

असतो मा सद्गमय

तमसो मा ज्योतिर्गमय

Government Shastri Sanskrit College

Mahapura, Jaipur (Raj.) 302026

(Accredited by NAAC, Grade B)

www.govtsscollegemahapura.com email govtsscollege@gmail.com

NAAC SPONSORED NATIONAL SEMINAR

On

Qualitative Enhancement of Teaching Pedagogy in Institutes of Higher Education

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. MAHESH KUMAR SHARMA, LECTURER *from* GOVT. SHASTRI SANSKRIT COLLEGE, MAHAPURA, JPR. (RAJ.) *participated / presented a paper titled* उच्च शिक्षण संस्थानों के गुणात्मक उन्नयन में NAAC की प्रमुख भूमिका *in this National Seminar.*

We acknowledge his / her valuable contribution and wish him / her a bright future ahead.

Place : Mahapura
Date : Nov. 09, 2019

Dr. Mahesh Kumar Sharma
Co-ordinator

Arun Kumar Jain
Principal

भारतीय भाषा एवं संस्कृति केन्द्र

(सोसायटी फॉर सोशल फाउन्डेशन की इकाई)
267, डिफेन्स कॉलोनी, फ्लाई ओवर मार्किट, नई दिल्ली-110024
(स्थापना वर्ष 1994) (पंजीयन संख्या S-26868) (पी.ए.एन. AAAAS 3838D)

एवं

लाईफलॉन्ग लर्निंग विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
का संयुक्त तत्वावधान

अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सम्मेलन

"विश्व की हिन्दी और हिन्दी का विश्व"
(10-11 जनवरी, 2020)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रो./डॉ./श्री/श्रीमती/सुश्री: महेश कुमार शर्मा , सहायक आचार्य
विभाग/संस्थान/विश्वविद्यालय राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, महापुरा (जयपुर)
ने भारतीय भाषा एवं संस्कृति केन्द्र एवं लाईफलॉन्ग लर्निंग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "**विश्व की हिन्दी और हिन्दी का विश्व**" विषयक दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में मुख्य अतिथि/सत्राध्यक्ष/वक्ता/पत्र-प्रस्तोता/सहभागिता के रूप में भाग लिया और भाषा और व्याकरण
शीर्षक वक्तव्य दिया/शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. जयन्त सिंह
संयोजक
निदेशक, लाईफलॉन्ग लर्निंग विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

डॉ. विशाल विक्रम सिंह
आयोजन सचिव
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

डॉ. जगदीश गिरी
आयोजन सह-सचिव
हिन्दी विभाग
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

महिपाल सिंह
सचिव
भारतीय भाषा एवं संस्कृति केन्द्र
नई दिल्ली

NAAC द्वारा बी ग्रेड प्राप्त

राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

द्वारा आयोजित

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

16–17 जनवरी 2023

अनुसन्धान प्रक्रिया एवं सिद्धान्त

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/प्रो./डॉ. महेश कुमार शर्मा सहायक आचार्य

संस्था/विश्वविद्यालय/महाविद्यालय राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

ने इस महाविद्यालय के IQAC तथा शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में

उपस्थित होकर शोध के महत्त्वपूर्ण आयाम

शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया/ व्याख्यान दिया/सत्र अध्यक्षता की।

डॉ. शालिनी सक्सेना निदेशक : शोध एवं विकास प्रकोष्ठ समन्वयक : IQAC	डॉ. सीमा जैन संयोजक सहायक आचार्य : संस्कृत वाङ्मय	डॉ. जितेन्द्र कुमार अग्रवाल समन्वयक सह-आचार्य : साहित्य	प्रो. भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय' प्राचार्य निदेशक : संस्कृत शिक्षा, राजस्थान

राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी, जयपुर
(कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, राजस्थान सरकार)

अरु

हिन्दी विभाग

कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय, जयपुर

के संयुक्त तत्वावधान माँहिं आयोजित

राष्ट्रीय-संगोष्ठी

(फागुन सुदी आठैं-नौमीं वि.सं. २०७९)

'ब्रजनायक श्रीकृष्ण : साहित्य अरु विविध विमर्श'

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सुश्री/श्रीमती/श्रीमान्/डॉ. महेश कुमार शर्मा सम्प्रति/कक्षा सह प्राध्यापक विभाग/संस्था राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर ने, दिनांक 27-28 फरवरी, 2023 को 'ब्रजनायक श्रीकृष्ण : साहित्य अरु विविध विमर्श' विषय ...ीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में, सत्र अध्यक्ष/वक्ता/पत्र वाचक/प्रतिभागी के रूप में उपस्थित रहकर, सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

...पत्र का विषय श्री कृष्ण एवं प्रबन्धन के सिद्धान्त

डॉ. राम कृष्णा शर्मा
अध्यक्ष
राज. ब्रजभाषा अकादमी, जयपुर

डॉ. शीताभ शर्मा
संगोष्ठी-संयोजक
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग एवं उपाध्यक्ष
राज. ब्रजभाषा अकादमी, जयपुर

डॉ. सीमा अग्रवाल
प्राचार्य
कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय, जयपुर

जगद्गुरुरामानन्दाचार्यराजस्थानसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जयपुरम्

व्याकरणविभागीयैकदिवसीया राष्ट्रिया व्याकरणसंगोष्ठी

दिनांक: - 21 मार्च, 2023

विषयः - व्याकरणे अपवादशास्त्रम्

स्थानम् - गोस्वामी-श्रीतुलसीदाससभागारम्, ज.रा.रा.संस्कृतविश्वविद्यालयपरिसरः

प्रमाणपत्रम्

प्रमाणीक्रियते यत् ''व्याकरणे अपवादशास्त्रम्'' इत्यस्मिन्विषये व्याकरणविभागीयैकदिवसीयराष्ट्रियव्याकरणसंगोष्ठ्यां डॉ./प्रो./श्री/सुश्री/श्रीमती महेश कुमार शर्मा **महोदयः/ महोदया मुख्यातिथित्वेन/ सारस्वतातिथित्वेन / सत्राध्यक्षत्वेन / विशिष्टकृत्वेन / शोधपत्रवाचकत्वेन/ भागं गृहीतवान् / गृहीतवती।**

अपि च अपवादशास्त्रस्य व्याकरणदिशा विश्लेषणम् **इति शीर्षकमधिकृत्य विशिष्टव्याख्यानं / शोधपत्रवाचनं कृतवान् / कृतवती, तदर्थमिदं प्रमाणपत्रं ससम्मानं प्रदीयते।**

संयोजकः
डॉ. शशिकुमारशर्मा
सहायकाचार्यः, व्याकरणविभागः, जरारासंविवि., जयपुरम्

समन्वयकः
डॉ. राजधरमिश्रः
कुलसचिवः, व्याकरणविभागाध्यक्षश्च, जरारासंविवि., जयपुरम्

अध्यक्षः
प्रो. रामसेवक दुबे
कुलपतिः, जरारासंविवि., जयपुरम्